SCERT Organized Secondary Teacher

Dakshta Exam 2023

HINDI TEACHER

विषय- हिंदी

माध्यमिक शिक्षक दक्षता परीक्षा के लिए

By MD RAHMATULLAH

मैं मो० रहमतुल्लाह सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षक हूँ। मैं अपनी उच्च शैक्षिक अनुभव और अनेकों उपलब्धि के आधार पर YouTube, Website और एंड्राइड एप्प पर बोर्ड और प्रतियोगी विभिन्न परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कराता हूं एवं संबंधित सूचनाएं भी साझा करता हूं। साथ ही साथ छात्रों के बेहतर परीक्षा की तैयारी के लिए स्वअध्ययन हेतु पीडीएफ और प्रिंटेड नोट्स और विभिन्न अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराता हूं।

CASH ON DELIVERY

हमारे पीडीएफ नोट्स उपलब्ध कराए गए WhatsApp पर और प्रिंटेड नोट्स Postal Address पर भेजे जाते हैं।

WE PROVIDE COMPLETE PDF/PRINTED NOTES

TEACHING EXAMS	BOARD EXAMS	COMPETITIVE EXAMS	ENTRANCE EXAMS

ALSO GET COD (CASH ON DELIVERY)

Call	:	**76 3131 4948**
Whatsapp	:	**7631314948**
Email	:	**official@teacherrahmat.com**

Our Top Teaching Platform

YouTube	:	**Teacher Rahmat**
YouTube	:	**Teaching Exams Notes**
Website	:	**WWW.TEACHERRAHMAT.COM**
Play Store	:	**Teacher Rahmat**
Telegram	:	**Teacher Rahmat**

नोट: किसी भी परीक्षा का नोट्स नि:शुल्क नहीं है। एक छोटा सा शुल्क Google Pay/Phonepe/ Paytm के माध्यम से मेरे Number: 7631314948 पर अदा करना अनिवार्य है। इसके उपरांत ही सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री आपके उपलब्ध कराए गए Whatsapp/Address पर भेज दिए जाएंगे।

ध्यान रहें:

हमारे PDF/Printed Notes को किसी अन्य के साथ साझा करना या बेचना वर्जित है।

प्रश्न 4. भीमराव अम्बेदकर का जन्म किस प्रकार के परिवार में हुआ था?
उत्तर- भीमराव अम्बेदकर का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था।

प्रश्न 5. "बुद्धिज्म एण्ड कम्युनिज्म" नामक पुस्तक किसने लिखी?
उत्तर- "बुद्धिज्म एण्ड कम्युनिज्म' नामक पुस्तक भीमराव अम्बेदकर ने लिखी थी।

श्रम विभाजन और जाति प्रथा क्लास 10th Bihar Board

प्रश्न 1. लेखक किस विडंबना की बात करते हैं ? विडंबना का स्वरूप क्या है ?
उत्तर- लेखक महोदय आधुनिक युग में भी "जातिवाद" के पोषकों की कमी नहीं है जिसे विडंबना कहते हैं।
विडंबना का स्वरूप यह है कि आधुनिक सभ्य समाज "कार्य-कुशलता" के लिए श्रम विभाजन को आवश्यक मानता है। चूंकि जाति प्रथा भी श्रम विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए . इसमें कोई बुराई नहीं है।

प्रश्न 2. जातिवाद के पोषक उसके पक्ष में क्या तर्क देते हैं ?
उत्तर- जातिवाद के पोषक 'जातिवाद' के पक्ष में अपना तर्क देते हुए उसकी उपयोगिता को सिद्ध करना चाहते हैं- जातिवादियों का कहना है कि आधुनिक सभ्य समाज कार्य कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है क्योंकि श्रम-विभाजन जाति प्रथा का ही दूसरा रूप है। इसीलिए श्रम-विभाजन में कोई बुराई नहीं है।
जातिवादी समर्थकों का कहना है कि माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार ही यानी गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।
हिन्दू धर्म पेशा-परिवर्तन की अनुमति नहीं देता। भले ही वह पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त ही क्यों न हो। भले ही उससे भूखों मरने की नौबत आ जाए लेकिन उसे अपनाना ही होगा।
जातिवादियों का कहना है कि परंपरागत पेशे में व्यक्ति दक्ष हो जाता है और वह अपना कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करता है।
जातिवादियों ने 'जातिवाद' के समर्थन में व्यक्ति की स्वतंत्रता को अपहृत कर सामाजिक बंधन के दायरे में ही जीने-मरने के लिए विवश कर दिया है। उनका कहना है कि इससे सामाजिक व्यवस्था बनी रहती है और अराजकता नहीं फैलती।

प्रश्न 3. जातिवाद के पक्ष में दिए गए तर्कों पर लेखक की प्रमुख आपत्तियाँ क्या हैं ?
उत्तर- 'जातिवाद' के पक्ष में दिए गए तको पर लेखक ने कई आपत्तियाँ उठायी हैं जो चिंतनीय

- लेखक के दृष्टिकोण में जाति प्रथा गंभीर दोषों से युक्त है।
- जाति प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं करता।
- मनुष्य की व्यक्तिगत भावना या व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान या महत्त्व नहीं रहता।
- आर्थिक पहलू से भी अत्यधिक हानिकारक जाति प्रथा है।
- जाति प्रथा मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा, रुचि व आत्मशक्ति को दबा देती है। साथ ही अस्वाभाविक नियमों में जकड़ कर निष्क्रिय भी बना देती है।

प्रश्न 4. जाति भारतीय समाज में श्रम विभाजन का स्वाभाविक रूप क्यों नहीं कही जा सकती?
उत्तर- भारतीय समाज में जाति श्रम विभाजन का स्वाभाविक रूप नहीं कही जा सकती है। श्रम के नाम पर श्रमिकों का विभाजन है। श्रमिकों के बच्चे को अनिच्छा से अपने बपौती काम करना पड़ता है। जो आधुनिक समाज के लिए स्वभाविक रूप नहीं है।

Board Exams General Competition Teaching Exams Urdu Notes Get All Exams PDF Notes Call/Whatsapp 7631314948
www.youtube.com/teacherrahmat website: www.teacherrahmat.com

प्रश्न 5. जातिप्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है।

उत्तर- जातिप्रथा मनुष्य को जीवनभर के लिए एक ही पेशे में बांध देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में उद्योग-धंधों की प्रक्रिया तथा तकनीक में निरंतर विकास और अकस्मात् परिवर्तन होने के कारण मनुष्य को पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है। किन्तु, भारतीय हिन्दू धर्म की जाति प्रथा व्यक्ति को पारंगत होने के बावजूद ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है जो उसका पैतृक पेशा न हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

प्रश्न 6. लेखक आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न से भी बड़ी समस्या किसे मानते हैं और क्यों?

उत्तर- लेखक आज के उद्योगों में गरीबी और उत्पीड़न से भी बड़ी समस्या जाति प्रथा को मानते हैं। जाति प्रथा के कारण पेशा चुनने में स्वतंत्रता नहीं होती। मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुची का इसमें कोई स्थान नहीं होता। मजबुरी बस जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है। अतः यह निर्विवाद रूप से सिद्ध हो जाता है कि आर्थिक पहलू से भी जाति प्रथा हानिकारक प्रथा है।

प्रश्न 7. लेखक ने पाठ में किन प्रमुख पहलुओं से जाति प्रथा को एक हानिकारक प्रथा के रूप में दिखाया है ?

उत्तर- जाति प्रथा के कारण श्रमिकों का अस्वभाविक विभाजन हो गया है। आपस में ऊँच-नीच की भावना भी विद्यमान है। जाति प्रथा के कारण अनिच्छा से पुस्तैनी पेशा अपनाना पड़ता है। जिसके कारण मनुष्य की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं होता। आर्थिक विकास में भी जातिप्रथा बाधक है।

प्रश्न 8. सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए लेखक ने किन विशेषताओं को आवश्यक माना है:

उत्तर- डॉ. भीमराव अंबेदकर ने सच्चे लोकतंत्र की स्थापना के लिए निम्नांकित विशेषताओं का उल्लेख किया है –

- सच्चे लोकतंत्र के लिए समाज में स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व भावना की वृद्धि हो।
- समाज में इतनी गतिशीलता बनी रहे कि कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे छोर तक संचालित हो सके।
- समाज में बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए और सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।
- सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए।
- दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारा होना चाहिए।
- इन्हीं गुणों या विशेषताओं से युक्त तंत्र का दूसरा नाम लोकतंत्र है।
- "लोकतंत्र शासन की एक पद्धति नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इसमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान भाव हो।"

भाषा की बात

प्रश्न 1. पाठ से संयुक्त, सरल एवं मिश्र वाक्य चुनें।

उत्तर- सरल वाक्य-पेशा परिवर्तन की अनुमति नहीं है। तकनीकी में निरंतर विकास होता है। विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता है।

संयुक्त वाक्य – मैं जातियों के विरुद्ध हूँ फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है?

लोकतंत्र सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है।

जातिप्रथा कम काम करने और टालू काम करने के लिए प्रेरित करता है।

Board Exams General Competition Teaching Exams Urdu Notes Get All Exams PDF Notes Call/Whatsapp 7631314948 www.youtube.com/teacherrahmat website: www.teacherrahmat.com

मिश्र वाक्य-विडंबना की बात है कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है।

जाति प्रथा की विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करती है। कुशल व्यक्ति का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता को सदा विकसित करें।

प्रश्न 2.

निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखें-

उत्तर-

सभ्य – असभ्य

विभाजन – संधि

निश्चय – अनिश्चय

ऊंचा – नीच

स्वतंत्रता – परतंत्रता

दोष – निर्दोष

सजग – निर्जग

रक्षा – अरक्षा

पूर्णनिर्धारण – पर निर्धारण

प्रश्न 3. पाठ से विशेषण चुनें तथा उनका स्वतंत्र वाक्य प्रयोग करें।

उत्तर-

सभ्य = यह सभ्य समाज है।

मैतृक = मोहन के पास पैतृक संपत्ति है।

पहली = गीता पहली कक्षा में पढ़ती है।

यह = यह निर्विवाद रूप से सिद्ध है।

प्रति = साथियों के प्रति श्रद्ध हो।

हानिकारक = जाति हानिकारक प्रथा है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित के पर्यायवाची शब्द लिखें –

उत्तर-

दूषित = गंदा, अपवित्र .

श्रमिक = मजदूर, श्रमजीवी

पेशा = रोजगार, नौकरी

अकस्मात = एकाएक, अचानक

अनुमति = आदेश, निर्देश

अवसर – मौका, संयोग

परिवर्तन = बदलाव, रूपान्तर

सम्मान = प्रतिष्ठा, मान

Board Exams General Competition Exams Teaching Urdu Notes
Get All Exams PDF Notes
Call/Whatsapp 7631314948
www.youtube.com/teacherrahmat
website: www.teacherrahmat.com

थोड़ा सा यह अध्ययन सामग्री केवल sample है। संपूर्ण PDF Notes के लिए संपर्क करें।

Call/Whatsapp

7631314948